विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

मार्च, 2025

प्राचार्य की कलम से :

प्राकृतिक परिवेश हमारे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पौधों के संपर्क में रहने से मानसिक तनाव कम होता है और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। विद्यार्थी जब प्राकृतिक वातावरण में अध्ययन करते हैं तो उनकी रचनात्मकता और एकाग्रता बेहतर होती है। प्रकृति की ध्वनियां जैसे पत्तों की सरसराहट और पक्षियों का कलरव मस्तिष्क को शांति प्रदान करते हैं, जो ध्यान केंद्रित करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होते हैं।

शोध बताते हैं कि हरियाली से भरपूर वातावरण में रहने वाले लोगों की मानसिक स्थिति अधिक संतुलित होती है और उनका जीवनकाल अपेक्षाकृत लंबा होता है। बच्चों के लिए प्रकृति से जुड़े अनुभव जैसे–पिकनिक या बागवानी आनंददायक होने के साथ–साथ सहयोग की भावना और सामाजिक कौशल भी विकसित करते हैं।

सप्ताह में कुछ समय प्रकृति के बीच बिताना तनाव कम करने और संतोष की अनुभूति लाने में सहायक होता है। हरियाली (ग्रीन स्पेस) के साथ–साथ 'ब्लू स्पेस' यानी झीलें, नदियां और तालाब जैसे जलस्रोत भी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। जलध्वनि जैसे–बहते पानी की आवाज तनाव को कम करती है और आत्मचिंतन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। विशेषकर शहरी जीवन में, जलस्रोतों की उपस्थिति मानसिक संतुलन और विश्राम के लिए महत्वपूर्ण है। माइंडफुलनेस गतिविधियां जैसे–ध्यान, लेखन, पेंटिंग या संगीत, जब ब्लू स्पेस में कराई जाती हैं तो उनका प्रभाव और भी गहरा होता है। ऐसे वातावरण में की गई गतिविधियां मानसिक स्पष्टता, रचनात्मकता और आत्म–अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती हैं।

जलस्रोतों के समीप बिताया गया समय मानसिक थकान को दूर कर हीलिंग का अनुभव कराता है। इसलिए, शहरी विकास योजनाओं और शैक्षिक संस्थानों में ग्रीन स्पेस और ब्लू स्पेस का समावेश आवश्यक है, ताकि सभी को एक संतुलित, स्वस्थ और खुशहाल जीवन मिल सके। प्राकृतिक परिवेश न केवल हमारे स्वास्थ्य को संवारता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

–डॉ.फरज़ाना ईरफान

संपादन

सलाहकार–डॉ. जितेंद्र तायलिया, श्री राजेन्द्र भट्ट

प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादक –डॉ. गिरीश शर्मा

प्रूफ रीडिंग –डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग –चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,

डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल अइबजमनकत/हउंपसण्बवउ, 0294–2451814

ॅमइेपजमू ण्अपकलंईूंदण्पद

मेहंदी–रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक 8 मार्च, 2024। यूनियन कार्यक्रम में मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। थीम 'होली फागोत्सव' रखी गई। रंगोली प्रतियोगिता में भूगोल परिषद् से संजना कोली और हिंदी–संस्कृत परिषद् से विमला कुंवर प्रथम, अर्थशास्त्र–अंग्रेजी परिषद् से ट्वींकल एवं विज्ञान–अ परिषद् से हिमांशी जीनगर द्वितीय तथा सामाजिक विज्ञान परिषद् की दीपिका सिसोदिया एवं राजनीति विज्ञान परिषद् से गरिमा प्रजापत तृतीय रही।

मेहंदी प्रतियोगिता में विज्ञान–अ परिषद् से कौशल्या एवं विज्ञान–ब परिषद् से प्रियंका सांवरिया प्रथम, हिंदी परिषद् से स्वाति हाटा द्वितीय तथा अर्थशास्त्र–अंग्रेजी परिषद् से भावना सालवी एवं हिंदी–संस्कृत परिषद् से भानु सुथार तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक डॉ. नैना त्रिवेदी एवं डॉ. प्रीति गहलोत थीं।

संकाय संवर्द्धन

दिनांक 8 मार्च, 2024। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम के अंतर्गत पुस्तकालय में बैठ कर पठन कार्य किया। संकाय

सदस्यों ने अपने अनुभवों को भी साझा किया। प्राचार्य डॉ. फरजाना इरफान ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित सेमिनार से अपने विचारों को साझा किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सहित 15 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

स्क्रिप्ट लेखन

दिनांक 8 मार्च, 2024। महाविद्यालय के बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने स्क्रिप्ट लेखन के अंतर्गत समूह कार्य किया। विद्यार्थियों को यह कार्य उनके अनिवार्य प्रश्न प्रत्र–4 की एक इकाई के अंतर्गत करवाया गया। डॉ. संतोष उपाध्याय ने कहा कि आगे इस स्क्रिप्ट के आधार पर विद्यार्थियों को रोल प्ले करवाया जाएगा, फिर उस पर चर्चा होगी।

राष्ट्रीय सेमीनार में अध्यक्षता

दिनांक 8 मार्च, 2024। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना ईरफान ने गुरु नानक कन्या स्नात्कोत्तर महाविद्यालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। सेमीनार का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपराः अतीत से वर्तमान तक' था। सत्र के दौरान डॉ. फरजाना की समीक्षात्मक टिप्पणियां और सुझाव प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक, उपयोगी एवं मूल्यवान रहे।

दत्त विश्लेषण कार्यशाला में सहभागिता

दिनांक 11 मार्च, 2024। एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के निर्देशन में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर के शैक्षिक अनुसन्धान, सर्वेक्षण, आकलन एवं नीति परिप्रेक्ष्य प्रभाग– 2 में राज्य स्तरीय शोध कार्यशाला में पीएम श्री विद्यालयों एवं उनके निकटस्थ गैर पीएम श्री विद्यालयों के कक्षा–3, 6, 9 एवं कक्षा 11वीं के कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं कृषि विषय से संबंधित विद्यार्थियों की हिंदी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, वाणिज्य, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कृषि इत्यादि विषयों के विद्यार्थियों की दक्षता मूल्यांकन एवं संबंधित संस्था प्रधानों से प्राप्त प्रदत्तों का कंपाइलेशन किया गया। इस शोध प्रोजेक्ट में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. खीमाराम काक ने अकादमिक सहयोग प्रदान किया।

इग्नू कार्यशाला

दिनांक 12 मार्च, 2024। इग्नू के बीएड द्वितीय वर्ष सत्र 2024 के विद्यार्थियों की कार्यशाला द्वितीय का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 1 मार्च से 12 मार्च तक किया गया। कार्यशाला में राज्य भर के विभिन्न जिलों के संबंधित विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बारह दिवसीय इस कार्यशाला का प्रारंभ समन्वयक डॉ मनीषा शर्मा और सहसमन्वयक डॉ अख्तर बानो ने प्राचार्यडॉ. फरज़ाना ईरफान के सान्निध्य में आयोजित किया। प्रथम सत्र में डॉ. मनीषा शर्मा ने संभागियों को संपूर्ण कार्यशाला सत्रों के बारे में जानकारी प्रदान दी। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में पाठ्यचर्या संदर्भीकरण, पाठ्यचर्या विश्लेषण, विशिष्ट आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की पहचान, समावेशी विद्यालय में संसाधनों की उपलब्धता, क्रियात्मक अनुसंधान, जेंडर की दृष्टि से पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण, सहभागी शिक्षण , स्वबोध जैसे विषयों पर

सत्रों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में इग्नू बीएड पाठ्यक्रम के विभिन्न काउंसलर्स ने इन सत्रों का संचालन किया। जिसमें सत्रों का आयोजन, समूह कार्य , रचनावादी उपागम, समूह प्रस्तुतीकरण, व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण आदि को शामिल किया। विद्यार्थियों ने अपने इंटर्नशिप द्वितीय में किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण भी विभिन्न सत्रों के दौरान किया।

इंटर्नशिप अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 12 मार्च, 2025। विश्वविद्यालय की ओर से बी.एड. प्रथम वर्ष की 4 सप्ताह की इंटर्नशिप प्रस्तावित है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने शाला दर्पण पर विद्यालय चयन की प्रक्रिया पूरी की। इंटर्नशिप पर जाने से पूर्व विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम रखा गया। प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना ईरफान ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसके बाद कमेटी कन्वीनर डॉ. नैना त्रिवेदी एवं सदस्य डॉ. मीनाक्षी शर्मा एवं डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा ने विद्यार्थियों को आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। अभिविन्यास के बाद विद्यार्थियों ने अपने ट्यूटोरियल समूह में अपने विद्यालय का आवंटन पत्र जमा करवाया तथा ग्रेडिंग शीट, विवरण पत्र तथा रिलिविंग प्रपत्र प्राप्त किए। विद्यार्थियों ने 17 मार्च को अपने–अपने विद्यालयों में उपस्थिति दी।

नेक तैयारी बैठक

दिनांक 17 मार्च, 2025। नेक की तैयारियों के अंतर्गतनेक कमेटी की करिकूलर समूह से चर्चा हुई। समूह ने वेल्यू एडेड कोर्स, अन्य सभी कमेटियों से फिटबैक लेना, रिफ्लेक्शन डायरी के संबंध में प्रत्येक ट्यूटोरियल की कक्षा में बात करना, स्कूल विजिट का कार्यक्रम तैयार करना, कोर्स पूर्ण करने का प्रपत्र जमा करवाना तथा फोटो के लिए लिंक उपलब्ध करवाने संबंधित निर्णय किए गए।

संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया

18 मार्च, 2025। मदन मोहन मालवीय शिक्षक महाविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय साउथ बिहार, गया की ओर से 12 दिवसीय ऑन लाईन संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विषय 'एडवांसमेंट इन सोशल साईंस रिसर्च' था। यह कार्यक्रम 18 से 1 अप्रेल तक आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय की ओर से डॉ. फरज़ाना ईरफान, डॉ. अख्तर बानो, डॉ. नैना त्रिवेदी एवं डॉ. संतोष उपाध्याय ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन 4 सत्रों का आयोजन हुआ। अंतिम दिन प्रत्येक संभागी द्वारा शोध प्रारूप प्रस्तुत किए गए तथा उनका प्रस्तुतीकरण किया गया।

नेक तैयारी पर ऑन लाईन चर्चा

दिनांक 22 मार्च, 2025। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की सदस्य डॉ. श्रृति गुप्ता के साथ महाविद्यालय की नेक कोर टीम के सदस्यों ने ऑनलाईन चर्चा की। चर्चा में सदस्यों ने नेक की तैयारी को लेकर आने वाली चुनौतियों को उनके सामने रखा, जिसका समाधान डॉ. श्रृति ने किया। सदस्यों ने आगे कैसे बढ़ना है उसका भी मार्गदर्शन प्राप्त किया। डॉ. श्रृति ने नेक गाईड लाईन के आधार पर एक–एक बिन्दु को स्पष्ट करते हुए आवश्यक सुझाव दिए। चर्चा में विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट एवं विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान की टीम के सदस्यों ने भी भाग लिया।

स्टैरलाइट एड इंडिया फाउंडेशन से साझेदारी

दिनांक 22 मार्च, 2025। उदयपुर स्टरलाइट एड इंडिया फाउंडेशन और विद्या भवन सोसायटी के प्रतिष्ठित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान– विद्या भवन

गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय एवं विद्या भवन गांधीयन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के मध्य एमओयू किया गया। ये एमओयू शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए नई शिक्षा नीति–2020 और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के अनुसार भावी शिक्षक तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एड इंडिया फाउंडेशन, मुंबई के प्रमुख एंटनीनलीसरी और विद्या भवन सोसायटी के सीईओ राजेंद्र भट्ट ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई। यह साझेदारी शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने में मदद करेगी। इसके माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और प्रासंगिक बनाया जाएगा, जिससे भविष्य के शिक्षकों को बेहतरीन तरीके से तैयार किया जा सके। एडइंडिया फाउंडेशन और विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान मिलकर शिक्षकों को सही उपकरण, तकनीक और शिक्षा पद्धतियों से सशक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। इस सहयोग से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की उम्मीद की जा रही है।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में सहयोग

दिनांक 24 मार्च, 2025। महाविद्यालय की रीडर डॉ. जेहरा बानू ने राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय शोध कार्यशाला में संदर्भ व्यक्ति के रूप में भागीदारी की। विषय 'इंप्लीमेंटींग इनोवेटिंग पैडागॉजीकल प्रेक्टिस चेंज–रिपोर्ट राईटिंग वर्कशॉप' था। डॉ. बानू ने राज्य स्तरीय कार्यशाला में लेखन में भी सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय सेमीनार में पत्र वाचन

25 मार्च, 2025। क्षेत्रीय अध्ययन शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल की ओर से दो दिवसीय

राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन हुआ। विषय 'विकसित भारत के लिए किशोर शिक्षाः मुद्दे, चुनौतियां एवं सरोकार' था। महाविद्यालय से डॉ. फरजाना ईरफान एवं डॉ. अख्तर बानो ने 'किशोर विद्यार्थियों में तनाव के विभिन्न आयामों का अध्ययन' पर तथा डॉ. नैना त्रिवेदी एवं डॉ. संतोष उपाध्याय ने 'किशोरावस्था शिक्षा के प्रति अध्यापकों एवं विद्यार्थियों की अभिवृत्ति' विषय पर शोध पत्र लिखा। शोध पत्र चयन होने के बाद डॉ. अख्तर बानो एवं डॉ. संतोष उपाध्याय ने क्षेत्रीय अध्ययन शिक्षा संस्थान, भोपाल में पत्रों का वाचन किया।

ऑन लाईन चर्चा को साझा किया

दिनांक 25 मार्च, 2025। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की सदस्य डॉ. श्रृति गुप्ता के साथ हुई ऑन लाईन मिटिंग के मुद्दों को डॉ. नैना त्रिवेदी ने संकाय सदस्यों के साथ साझा किया। डॉ. नैना त्रिवेदी ने बताया कि नेक हमारे द्वारा किए गए प्रयासों को देखता है। उन्होंने कहा कि हमें नेक की तैयारियों में आउटकम से संबंधित गतिविधियों पर जोर देना है। गतिविधियों का विद्यार्थियों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इसका ध्यान रखना है। इसके साथ ही दस्तावेज कैसे एकत्र करने है, इस दौरान किन–किन बातों का ध्यान रखना है जैसे मुद्दों को साझा किया।

चार कोर्स प्रारंभ होंगे

दिनांक 25 मार्च, 2025। महाविद्यालय में अगले सत्र से 4 नए कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे। ये कोर्स भाषा एवं दक्षता, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण अध्ययन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित होंगे। संकाय सदस्यों की बैठक में इन कोर्स की रूपरेखा बनाई गई तथा संकाय सदस्यों की छोटी–छोटी टीम बना कर कोर्स निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ये कोर्स बी.एड. एवं एम.एड. के विद्यार्थियों के लिए विकसित किए जा रहे हैं।

राज्य स्तरीय शोध कार्यशाला में भागीदारी

दिनांक 26 मार्च, 2025। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर के शैक्षिक अनुसंधान, सर्वेक्षण, आकलन एवं नीति परिप्रेक्ष्य प्रभाग– 2 द्वारा आयोजित 8 दिवसीय राज्य स्तरीय शोध कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. खीमाराम काक ने सहयोग प्रदान किया। कार्यशाला में उन्होंने पीएम श्री विद्यालयों की शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक प्रभावशीलता पर शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं के साथ विस्तृत रिपोर्ट तैयार की।

ध्यान सत्रों का आयोजन

दिनांक 29 मार्च, 2025। महाविद्यालय के सेवा प्रसार विभाग की ओर से हार्टफुलनेस संस्था के साथ मिल कर ध्यान सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संस्था की डॉ. रीटा नागपाल एवं डॉ. राकेश दशोरा ने 8 दिन 1–1 घंटे के सत्र में संकाय सदस्यों से उनके मन एवं मस्तिष्क के संदर्भ में चर्चा की। संकाय सदस्यों ने प्रतिदिन करीब 20 मिनट का ध्यान भी किया तथा इस सूक्ष्म ध्यान सत्रों के दौरान

हुई अनुभूति को एक–दूसरे के साथ साझा भी किया। सत्रों में विशेषज्ञों ने ध्यान से संबंधित विभिन्न तत्वों को उदाहरणों द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मन, मस्तिष्क एवं शारीरिक क्रियाओं में संतुलन स्थापित करने में ध्यान की उपयोगिता पर चर्चा की।

शोध प्रारूप प्रस्तुतीकरण कार्यशाला

दिनांक 29 मार्च, 2025। एम.एड.प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए द्वितीय चरण की तीन दिवसीय शोध प्रारूप प्रस्तुतीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का समन्वयन प्रभारी डॉ मनीषा शर्मा ने किया। कार्यशाला से पूर्व समस्त एम.एड. के विद्यार्थियों ने शोध विषय चयन कार्यशाला के अनुरूप अपने–अपने चयनित शोध शीर्षक के अनुरूप शोध प्रायोजना का निर्माण अपने पर्यवेक्षक एवं अध्यापकों के मार्गदर्शन में किया। इसके पश्चात् विद्यार्थियों ने अपना शोध प्रस्तुतीकरण तैयार किया। शोध प्रारूप प्रस्तुतीकरण कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में शिक्षाविद प्रो. एम.पी. शर्मा एवं प्रो. डी.एन. दानी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान समस्त विद्यार्थियों ने क्रमशः अपने शोध प्रारूप का सदन के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया। शिक्षाविदों, प्राचार्य, समस्त संकाय सदस्यों एवं समस्त विद्यार्थियों ने प्रारूप के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर शोध को गुणवत्ता पूर्ण संपन्न कराने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने प्राप्त सुझावों के अनुरुप अपने शोध प्रारूप में संशोधन और परिमार्जन किया। शोधकार्य के अगले चरण में समस्त विद्यार्थियों द्वारा तय प्रारूप के अनुसार उपकरण निर्माण पर कार्य किया जाएगा।

इग्नू कार्यशाला में भाग लेने वाले संभागी एवं संकाय सदस्य।